MSS No. 70 Subject Philosophy

Name of MSS Yogavasistha Sarā (योगवशिष्टसार)

Author – –

Period – – Folios 29

Script Sharda Source Shri Kanth Kaur

Missing Folios

Sh. Ms. 181.4	
Y54	योगवशिष्ठसार
Ms.-70	असं० पत्र ॥ ल० मं० ११ पं० प्र० पृ०
	ह० ल०

70

181.4
YOGAVASISTA
SARA

(Kashmiri language (Sharda Script)

Sharda
181.4
Y54
MS-70

Hindu philosophy
(11 leaves to a page)

ॐ श्रीगुरवे शिवाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीराम
वसिष्ठवाल्मीकिव्यासेभ्यो नमः

ॐ [illegible]
[illegible]
नाय नमः [illegible] ॥१॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥२॥
[illegible]

पे
१

परमेश्वरम् । [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible]

मध्ये मनोवृत्तिगतकृष्णपादद्वन्द्वपद्मि

मस्मिन्। यदि हरौ कथ [illegible]

[illegible] ॥१॥ [illegible]

[illegible]।

[illegible]

[illegible] ॥२॥ [illegible]

[illegible]।

विहृते [illegible]

[illegible] ॥३॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ३

तुभिर्ह्लवनायभिर्ध्युद्रमा। न
श्लिष्टयविरक्त्ययन्तिवैर्नृय
त्यिनृष्टि॥१०॥उपदिष्टमनुमेर [मत्रुनवकार—]
नवृत्कृन्नश्पलनवमा॥ल्लु
पुत्रकार्यं स्मृतं मिथ्यां ध्लुव [वल्कि]
कवल॥११॥नमस्त्रेत्रयपिन
नत्र सत्रृश्यनत्रा:। सत्र
हेषद्वैवर्न्नृवंवनडुन्नृय [मृर्ग]
वियं॥१२॥नचैवृविकलाण
वैरनृहृनवनवृवि। उपेह

[illegible] ॥१०३॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१०४॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१०५॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१०६॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥१०॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥११॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीवटभिक्षुः॥ सौगतप्रकरणम्:

सं[illegible]मुक्ति[illegible]नाग[illegible]र्वं ते: । स

[illegible]

[illegible]: ॥१०॥ [illegible]

[illegible] । व

[illegible] मन:

[illegible] ॥११॥ [illegible]विकल्प[illegible]:

[illegible]विकल्प[illegible] । [illegible]

[illegible]

[illegible]: ॥१२॥ [illegible]

५

मिंद्रं नयद्ध्वन मुक्ति । यमा ड
र्धिव मनः स्त्रीरूपवेषम मुक्ति ॥४॥
षं मे विलं मवे मेदक ल्पिद्धेव
ल्पहुः पमः । मेन रमिगवेड
लं विमहे विलीयड ॥५॥
रंसमीरमनपेषं पं स्वन मे
नजस्मरु । वल हृडे पुठवे पूः
धृतर्ण वन मुक्ति ॥६॥ मदे
नामिद्रु मपेषं डडे विस्व विमे
क्रिवी । न वडन्ने धृडमधूर्दपपं
[illegible] वेवप मुक्ति ॥७॥

यस्मिंस्स मृते किञ्चिज्जगति
किमपि भुवनम्। यत्र गत्वा न
गा यत्र [illegible] मनस्विल ॥८॥
यत्रानुवेन्स्मृते किञ्चिन्मनुः [illegible]
मपि किञ्चन। सुविनमं यमुनी
[illegible] ॥९॥ स
[illegible]
[illegible]। [illegible]
नानीवङ्गकुमः ॥१०॥ नमः
[illegible]
लीयते। उक्तम्

वि

ममद्रिव मत्कांसघ ग्रस्तमते
त्वगतो॥१५॥ मधुद्ध सनुविल
हे कवके ककटके यष्ट । कटक
स्फखिविकृ स्मित्र नमकगधिकीम ।
णीः॥१६॥ संघस्फ सुधरगगव
गनगे नृगिमस । संघेम्न मृस्फगे
वृस्फि वहूटू धरमनृन्मृको॥१७॥
मस्फ शृहः क्षिप्यमधेस्फ सू
दमघेलंगतो । मद्वंं तवनमूत
शुधुकसंतु नमङ्गुधः॥१८॥
मध विमतु मकमे

पा ७

नन्दनैकुञ्जमञ्जुलम् । कुन्द
विलीयन्ते [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] विकल्पः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] ॥१०॥
[illegible]
[illegible] । विलीयन्ते [illegible]
[illegible] ॥११॥

[illegible]

[illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] ॥१०॥ [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥११॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१२॥
[illegible] पृथिवीमन्तः [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] ॥१३॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇆𑇑𑇔𑇆 [illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇆𑇑𑇕𑇆 [illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇆𑇑𑇖𑇆 [illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇆𑇑𑇗𑇆

[illegible]

[illegible]

मवेः मकल्पं मिर्धुपं मकल्पं
देवमं भूति । पं देवलपदेवेच
वक्रितलेववपंन ॥३॥ मवे
मवेवहुमितुंभनगेवुचवेक
ज्ञा । ववमुभाञकांयूक्ता
वेचविहृडे ॥८॥ मनमूत्तुत्रवं
यह्नमनद्रद्रुद्रक्तववक्तिभा ।
यघवनुचिवनुर्हुंजमवेविह्नि
गप्यव ॥५॥ मुपंमेदमिमेड
द्वेपडवद्भइकंभवः । उद्भुतव
वभइ विमदे विलीयडे ॥१०॥

उपमेयपुरुषस्यं दैवैकतुविव
ल्क्ष्मा। यस्मिन्ननेन्दुं डंठहुवि
ष्णुरूपव ॥१॥ मनोदिलागरुक
तु मनोदि पुरुषः स्मृतः। मनः ल
ङ्गलैकेनमगीरलङ्गतक्ष्मा ॥२॥
स्मिङ्कार ल्मतु तंडस्मिस्मृतिल
गतुयमा। तस्मिन्क्ली ल्लागक्ली ल्
डुन्निकिङ्कुपक्रुडः ॥३॥ तमवम
पे ०३ नपरहुमतुंनिचमनेमनः।ऽ
स्मन्निचमनीकवं मुवङ्मुविव
किडः ॥४॥ यषहूलेप्यमिमवं

ॐ

[illegible]

प्रदं वग्रेषूत्सवमित्रुङभा। मा त्रेतस्र
श्रितवन्तुंङ्गिहि ह्रीनश्च डंठवें ङ॥१०५॥
विलग्रूपक्कक ङकं गलिंप्रुविलपं
भूल्लिंङ। यंश्च ह्मविङष विस्त्रे विलै
ष्टविलपं भवः॥१०६॥ मित्रुंह्रसीद
मंमरे वक्तुम्नित्रुभृत्वक्तङ्गा। पं
मप्तुलं
मपः पवरे वैव मेदक्षि त्रुं रमप्लुङ॥१०७॥
दत्रेदत्रेरमंपीक्ष्मत्रैम त्रुम्नपी
कयरा। मङ्गट्रङ्गः ममत्रुष्टलपं
मृमि पुकं भवः॥१०८॥ मित्रुभिकरे
मङ्गे भिल्लि त्रुं पङ्गत्रूवङ्गिपंः।

पि
०८

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥१॥ विमान[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥२॥ विमा[illegible]
[illegible] विमानः।
[illegible]
[illegible] ॥३॥ विमा[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥४॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]। विमान[illegible]
[illegible] ॥५॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

शीतलः मम। निर्जन्तुर्निर्ज्वरः क
मविषमः सुप्रसन्नः सुस्थितः॥१४॥ सर्वः
शीतलरूपं निर्मलरूपं शीतलं
नामतः। सर्वत्रस्थैर्जनैर्दृष्टं सतत
रूपमयं नामतः॥१५॥ इति श्री
वसिष्ठमहर्षिप्रोक्तशीतलाष्टकं समाप्तम्॥
श्रीवसिष्ठः॥ सुरेन्द्रविराजद्वेन
त्रैलोक्यं धृतरूपाः। तिष्ठन्ति च
पो सुरेन्द्रदेवपर्यङ्कमध्ये सर्वगीतवत्॥१॥
१२ यं देवादिभिर्हि स्थानात्तु सर्वेषु
श्रीविद्यापदः। समस्तः सर्व

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पुरुहूतगीर्वाणीमयः । ममसुखमति
त्वलत्रिधृविमात्रिपुरुवडः ॥७॥
मधुपत्रुमिलद्भृङ्गैर्विसुवीरुल्लिक
लता । उपैङ्कवत्पुभयापद्भुतमञ्ज
निकुञ्जमहिव्दि यः ॥८॥ मनल्लोचेति
ड्विवर्त्तमधूवल्लयमगुडन्ता । प्र
योरुह्मिलतनद्भामभूम्राम्रपुर
सुडम्ता ॥९॥ नवकुडत्तुगप्र
यविदूमभ्रमिलद्भूवे धूदूक्लेडर
डुप्रयमधूमवतमेवमः ॥१०॥

इति श्रीविनायक[illegible]
[illegible] ॥ श्रीविनायकः ॥

[illegible]
[illegible] लोके
विजयाय भव ॥१०॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] लोके विजयाय भव ॥११॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] लोके विजयाय भव ॥१२॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥५॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥६॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥७॥
[illegible]
[illegible]
पि [illegible] ॥८॥ [illegible]
१० [illegible]
[illegible] ॥९॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥१॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥२॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥३॥ [illegible]
वै [illegible]
११ [illegible] ॥४॥
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ष्पल्लविभिर्विरुक्तः प्रकमंजुन
नेयथ । जय प्रकंमयट्ट स्म वक्ष
णीक्षुत्तविभिनः ॥ ९ ॥ यद्गिर्न
यंभिमुन्नीः प्रकृतिमभइतुपिलि ।
वतुंकुलानवन्तुतिमेयमंकृन
नेमिनः ॥ १० ॥ पुईहतुवदिनः म
टम्निकृपेर्निविकल्पकः । मुहृवि
कुपिनकंमेलीवट्टहः पाकृतः ॥ १० ॥
पो मुद्दविमुकुमेनट्टयत्तुपः मम्र
१८ नेतृयः । निविकारः सुयेत्रैतिः
सर्वयुकः प्रकमवत ॥ ११ ॥ मु

[illegible]

पै
१५

[illegible] ॥४०॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥४१॥ इति
श्री [illegible]
[illegible] ॥ श्री [illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

त्व कास्य कास्य नक्ष्म सूर्य ॥१०॥
धूम त्रु भव भव कल्प यं मिल
वस्व भ्रिति: । सृगृत्रिसृ विवि
सृत्र भ ग्रुप भ्रित्रिपा ॥११॥
लगुंव ल्लयि ह्रुकं मिलयं
हसं यंस यज्ञा । सृभं नकं भग
तगे उन्नयं क भव भ भवस ॥१२॥
विट्ट नक्ष: मित्रकमसृत्रुय:
पै ३१ पाभिस्वा: । मुस्फुलनंमुहि
वनंवड हृघ घक्कृड: ॥१३॥
सपंरवानेना।

न्तिविद्रुल्लिलवल्लवैः। मिलिक

लं वपकेपं भुणभृद्रविलं

कते ॥१०८॥ कीर्त्तुमेषमिक्रौ

ल्लभनत्तुकमविकाभा। पकं

वत्तुलगद्धवं मिद्रद्वविव

थुपि: ॥१०४॥ चिंमङ्गद्विकं

(नमाद्रिर्दंग)

ठङ्गडघनम्रोकवड: । भुद्रो

हृम्रेन्नुकेमेभिमेडवंभुद्रलो

पिकभा ॥१०७॥ निभुगह्निंतिगं

ठीः भद्रुनद्रुभणलवः ।

मपृद्दिकामणा

[illegible] ॥𑇑𑇗॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥𑇑𑇘॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥𑇑𑇙॥ [illegible]

𑇒𑇘 [illegible]

[illegible] ॥𑇒𑇐॥ [illegible]

[illegible] ।
[illegible]
[illegible] ॥१५॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१६॥ [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]